ISBN:978-81-974990-9-8

3.कोविड–19 का राजनीति पर प्रभाव और नए आयाम

श्रीमति मेनका चन्द्राकर

विभागाध्यक्ष,
शांत्री बाई कला वाणिज्य विज्ञान महाविद्यालय,
महासमुन्द (छ.ग.),

सारांश :–

आमतौर पर कभी कोई प्राकृतिक आपदा आती है तो कुछ समय बाद स्थिति सामान्य हो जाती है परन्तु कोरोना एक ऐसा दहशत था जिसने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया। जब भी हम कोरोना का नाम सुनते है, तो उस समय जो स्थिति पूरे विश्व में थी। वह सब हमारे आंखों के सामने चलचित्र की भांति सामने आ जाती है। उस समय विकसित देशों के बीच कोरोना वायरस उत्पत्ति को लेकर आरोप–प्रत्यारोप का भी दौर प्रारंभ हो गया था कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी थी जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। कोरोना महामारी के कारण विकास के सभी क्षेत्र प्रभावित हुये यद्यपि राजनीति जगत की बात भी की जाये तो यह क्षेत्र भी कोई कम प्रभावित नहीं हुआ था। कोरोना वायरस एक ऐसी महामारी थी जिसके प्रभाव से कई जगहों पर पूरे परिवार के परिवार समाप्त हो गये थे। कई प्रकारों के काम छुटने पर भूखों मरने की स्थिति पैदा हो गई थी हालांकि सरकार द्वारा सभी जगहों पर पूरी मदद की जा रही थी परन्तु लाकडाउन की स्थिति दयनीय थी।

प्रस्तावना :–

वर्तमान समय में कोरोना वायरस से कौन अनभिज्ञ है। वर्ष 2019में पूरे विश्व में एक सबसे चर्चिर्त और दहशत फैलान वाला शब्दा कोरोना वायरस ही वर्ष 2019के इतिहास में माहमारी के लिये याद रखा जाएगा। इस माहमारी में न केवल लाखों लोगों की जान ली वरन जीवन की रफ्तार को भी धीमा कर दिया। कोरोना वायरस की शुरूआत वुहान शहर में दिसम्बर 2019में हुई, जो आज भी गंभीर समस्या के रूप में विद्यमान है कोरोना एक जुनोटिक रोग है यह एक ऐसा रोग है जो पशुओं से इंसानों में संचरण होता है यह विषाणुओं का एक समूह भी है। भारत देश में कोरोना संकट के बीच राजस्थान सरकार ने सबसे पहले अपने राज्य में लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया तत्पश्चात् सभी राज्यों ने लॉकडाउन लगाने का सक्त फैसला लिया जिसके फलस्वरूप व्यक्ति एक राज्य से दूसरे राज्य जाने में असमर्थ के साथ अपने स्थल पर स्थिर हो गये थे। उस समय की कल्पना भी मन को भयभीत कर देती है। कोरोना–19 के समय राजनीति स्थिति पर भी बहुत असर हुआ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कई संबोधनों में संकट को अवसर में बदलने की बात कही और सरकार इसे काबू करने में कामयाब साबित हुई।

कोविड–19 :–

कोरोना वायरस वायरस का एक बड़ा परिवार है जो सामान्य सर्दी बुखार से लेकर अधिक गंभीर बिमारियों तक पहुँच बनाये रखता है कोरोना वायरस की पहचान चीन के वुहान शहर में 2019में हुई थी और देखते–देखते पूरे विश्व में फैल गयी। इससे लोग इस बीमारी के चपेट में आकर मरने लगे तथा मरने वालों की संख्या हजारों से लाखों की गिनती तक पहुँच गयी।

लक्षण :–

कोविड–19 के लक्षण निम्न लिखित परिलक्षित हुये –

1) सर्दी, बुखार होना, श्वास लेने में तकलीफ होना, भोजन में स्वाद या सुगंध का न आना
2) नाक बहना व गले में खराश होना, दस्त तथा थकान होना
3) सिर दर्द होना, त्वचा पर चकते, दर्द एवं पीड़ा, आँखें लाल होना आदि

उद्‌देश्य :–

1) कोविड–19 का राजनीति पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
2) कोविड–19 का राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव से व्यक्तियों के जीवन में होने वाले परिवर्तन का अध्ययन करना।
3) कोविड–19 के प्रभाव से राजनीति के नये आयाम का अध्ययन करना।

राजनीति का अर्थ :–राजनीति दो शब्दों से मिलकर बनी है – राज **+**नीति जिसमे राज सेतात्पर्य शासन करने तथा नीति से तात्पर्य राज्य के और उसमें रह रहे व्यक्तियों के लिए एक अनुशासन व नियम बनाने से है।

अतः राजनीति से वह शब्द या क्रिया है जिसके द्वारा उचित समय, उचित स्थान और उचित कार्य को करने की कला, सीखाने के साथ व्यक्तियों का निपूर्ण करती है। दूसरे शब्दों में जनता के सामाजिक और आर्थिक स्तर को ऊंचा करना ही राजनीति है चाहे व नागरिक स्तर पर या व्यक्तिगत स्तर पर कोई विशेष प्रकार का सिद्धांत एवं व्यवहार राजनीति कहलाता है।

राजनीति की परिभाषा :– ''कैटलीन के मतानुसार राजनीति विज्ञान संगठित मानव समाज से संबंधित है किन्तु मुख्य रूप से वह सामुदायिक जीवन के राजनीतिक पहलुओं का अध्ययन करता है।''

बट्रेण्ड डी जूविनडे के अनुसार– ''हमारा विषय उन राजनीति संबंधों का अध्ययन करता है जो मिल जुलकर रहने वाले व्यक्तियों के बीच स्वयं उत्पन्न हो जाते है।''

अलेक्जैण्डर हर्ड तथा सैमुअल हंर्टिगटन के मतानुसार :– ''राजनीति व्यवहार वाद शासन को मनुष्य और समुदाय के कार्यो की एक प्रक्रिया मानता है और इसका संबंध शासन के राजनीतिक दलों के निहित समुदाओं और मतदाताओं की गतिविधियों के अध्ययन से मानता है।''

भारत की राजनीति :– भारत की राजनीति संविधान के ढांचे में काम करती है जहां पर राष्ट्रपति सरकार का प्रमुख तथा प्रधान मंत्री कार्यपालिका का प्रमुख होता है।

राज्य सभा जो कि भारतीय संघ के राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करता है, भारत का एक संसदीय लोतांत्रिक गणराज्य होने के कारण सभी नागरिकों को संविधान के प्रति आस्था, कर्तव्य, मौलिका अधिकार प्रदत्त है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों में प्रधान मंत्री सरकार का प्रमुख व्यक्ति के रूप में कार्य करते हुये राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए एक प्रमुख जिम्मेदार नागरिक, लोतांत्रिक व्यक्ति के रूप में, सरकार संचालन करने वाले एक प्रमुख नेता, प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रपति को परामर्श देने का कार्य करता है।

भारत के राजनीतिक दल :– भारत एक लोक तांत्रिक राष्ट्र के रूप में विश्व में परिचित है। जहां पर विभिन्न प्रकार के राजनीति दल सरकार का निर्माण करने तथा संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रायः राजनीति दल लोगों का एक ऐसा संगठित गुट होता है जिसके सदस्य किसी सांझी, समान विचार धारा में विश्वास रखने तथा राजनीतिक दृष्टिकोण रखने का कार्य करते है। भारत के चुनाव आयोग के 23 मार्च 2024 के नवीनतम प्रकाशकों और उसके बाद की अधिसूचनाओं के अनुसार 06 राष्ट्रीय दल, 57 राज्य दल, 2764 गैर–मान्यता प्राप्त दल है। चुनाव लड़ने वाले सभी पंजीकृत दलों को चुनाव आयोग द्वारा पेस किये गये उपलब्ध प्रतीकों की सूची में से एक प्रतीक चुनना होता है। इस प्रकार विभिन्न राजनीतिदल एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के प्रति सरकार निर्माण तथा संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुये विभिन्न विचार धाराओं को पल्लवित करती है।

कोविड–19 का भारतीय राजनीति पर प्रभाव और नये आयामों का अध्ययन करना :–

यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी महामारी से भारतीय राजनीति प्रभावित हुई है लेकिन वर्तमान समय में प्रधानमंत्री मोदी के सामने कोरोना संकट को देखते हुए मुश्किल चुनौती थी। क्योंकि देश की 1-3 अरब आबादी को इस महामारी से बचाने की जिम्मेदारी उन पर थी।

हालाकि इस समय भारत के नेता ही नहीं दुनिया भर के प्रमुख नेताओं ने भी उनका साथ दिया। जबसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड–19 संक्रमण को वैश्विक महामारी घोषित किया है तब से इस संकट का सामना मोदी आगे बढ़कर कर रहे थे। मोदी और उनके नेतृत्व वाले भारतीय जनता पार्टी को इस तरह की घटनाओं से जागरूक होकर एक सार्थक कार्य करते हुए बहुसंख्यक हिन्दु वोट बैंक को मजबूत करने में सक्षम हो रहे थे। उस समय बीजेपी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने पार्टी नेताओं से संक्रमण के फैलने के मुद्दे को सम्प्रदायिक रंग न देने की अपील की, इसी तारतम्य में प्रमुख व्यावसायिक घरानों से भी कोरोना के खिलाफ जंग में सहायता मिल रही थी। इन लोगों ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में करोड़ों रूपयों की मदद की। जिसमें टाटा समूहों का नाम सबसे उच्च था। प्रधानमंत्री मोदी ने 24 मार्च को देशभर में लॉकडाउन की घोषणा की जिसमें विपक्ष के राजनेताओं, राज्यों के मुख्यमंत्रियों, खिलाड़ियों और पत्रकारों से संवाद करके इस लड़ाई में सरकार का साथ देने को कहा गया।

कोरोना वायरस के संदर्भ में राजनीतिक विश्लेषक स्मृता गुप्ता कहती है कि जनवरी महिनें तक देश के अलग–अलग हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे थे यह प्रदर्शन नागरिकता संशोधन कानून के संदर्भ में था। इस संदर्भ में कोई भी राजनीतिक दल प्रत्यक्ष रूप से कहने, समर्थन देने में स्पष्ट नहीं थी अपितु अप्रत्यक्ष तौर पर राजनीतिक गतिविधियां चल रही थी।

यह गतिविधियां लॉकडाउन और कोरोना वायरस की वजह से इन प्रदर्शनों पर एक तरह से विराम लग गया। दूसरी तथ्य यह रही कि लॉकडाउन की वजह से इस प्रबल संभावना बन रही थी कि कोई भी राजनीतिक दल घटना या प्रदर्शन न करें।

वरिष्ठ पत्रकार नीरजा चौधरी स्पष्ट कहती है कि कोविड–19 के इस दौर में भारतीय राजनीति के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्रियों, अधिकारियों से संवाद करने की प्रक्रिया लगभग कई घण्टों तक चलती रही जो कि एक छोटी सी बात नहीं थी। इस समय भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण रूप से समर्थन नहीं करने वाले भी पार्टी को नैशनल क्राइसेस मानने के लिए समर्थ करने की इच्छा व्यक्त किये।

कोविड–19 महामारी से निपटने के लिये सरकार द्वारा बहुत से प्रयास किये गये जो कि भारतीय राजनीति में एक नये आयाम के रूप में स्पष्ट हुए। इस आयाम के फलस्वरूप कोरोना वायरस रोग के प्रति विभिन्न प्रतिरोधक क्षमता वाले दवाईयों, उपकरण, बचाव के उपाय, कोरोना वायरस के संचरण को नियंत्रित करने वाले कारको पर शोध किए गए। भारतीय राजनीति में लगभग 92 प्रतिशत मामलों में अल्प संक्रमण होने की सूचना भारतीय सरकार को निरंतर मिल रही थी। इस बढ़ती प्रकोप को कम समय में नियंत्रित करने के लिये व्यापक रणनीति बनायी जा रही थी।

यह भारत सरकार के भारतीय राजनीति के क्षेत्र में एक राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन सरकार द्वारा दिया गया एक साहसिक निर्णय लिया गया एक निश्चित आयाम के रूप में प्रकट हो रही थी। इसमें सम्पूर्ण भारत सरकार की जनता ने नरेन्द्र मोदी का साथ दिया। सम्पूर्ण जनता ने स्वयं पर कर्फ्यू लगाते हुए भारत सरकार द्वारा व्यक्तिगत सुरक्षा के लिये उपकरण पी.पी.ई. एन–95 मास्क और वेन्टिलेटर बनाने के लिये सहयोग प्राप्त हुआ।

भारत सरकार ने इस संक्रमण को रोकने और इसे सीमित करने के लिए अनेक प्रक्रियाएं शुरू की जिसके फलस्वरूप माननीय प्रधानमंत्री जी ने स्वयं सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों तथा हितैषियों के साथ नियमित रूप से संवाद जैसे – विडियो कांफ्रेस, आडियों टेली कांफ्रेस आदि के माध्यम से सतत् रूप से हो रही थी।

भारत सरकार ने अतीत में हुये महामारियों और इसके लिये सफलता पूर्वक प्रबंधन के अनुभव के आधार पर एक रणनीति बनाई जो कि एक निश्चित आयाम के रूप में सफलता प्राप्त की। प्रतिदिन लगभग दस लाख किट्स कोरोना की जाँच नियमित रूप से की जा रही थी। विभिन्न आयुर्वेद जैसे– जड़ी बुटी आधारित आयुष दवा आदि के माध्यम से काढ़ा बनाया जा रहा था उसे भी भारत सरकार के द्वारा कोरोना के प्रति उपयोग करने पर बल देने की योजना बनायी जा रही थी। कोविड–19 पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संचार सामग्री और टूल किट जैसे– पाम्पलेट, ऑडियों, पोस्टर व फिल्में भी बनायी जा रही थी जो कि कोरोना वायरस के प्रति मानव जीवन तथा समुदाय के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास था।

इस तरह भारतीय राजनीति में कोरोना वायरस प्रभावित करने के साथ भारतीय सरकार को नियंत्रण करने की एक सीमा से परिचित कराने के साथ पूरी जनता पर लॉकडाउन के माध्यम से कर्फ्यू लगाने के फैसले पर पूर्ण सहमति तथा सहयोग प्रदान किया।

कोविड–19 में राजनीति पर कई महत्वपूर्ण प्रभाव डालने का प्रयास करते हुये राजनीति के क्षेत्र में नये आयाम का निर्माण किया जिसे निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर अध्ययन किया जा सकता है :–

1. **राजनीति ध्रुवी करण :–** कोविड–19 एक वैश्विक महामारी के रूप में प्रगट होते हुये कई देशों में राजनीति ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने का कार्य किया जिसमें विभिन्न पार्टियों के बीच विरोध और विवाद बढ़ते गये।
2. **सरकार की विश्वसनीयता :–** सरकारों की कोरोना के प्रति प्रत्यक्ष और प्रभावी कार्यवाही से जनता का विश्वास में सतत् वृद्धि हुई है जबकि कुछ सरकारों को अपने कार्य को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा।

3. **आर्थिक नीतियां :–** विभिन्न राजनीतिक दलों से निर्मित सरकारों ने आर्थिक पैकेज और सहायता योजना जैसे मुख्य घोषणा किया गया। जो कि आर्थिक नीति और बजट पर प्रभाव डाल रहे थे।
4. **सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं नीतियां:–** कोविड–19 ने स्वास्थ्य नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य के अधोसंरचना को लेकर नये मापदण्ड और नियंत्रण को जन्म देने का कार्य किया।
5. **अन्तर्राष्ट्रीय संबंध :–**देश तथा विदेशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय संबंध भी प्रभावित हुये क्योंकि विशेष करके कोविड–19 के प्रति दवा बनाने के लिए नीतियां और चिकित्सा उपकरण के मामलें में विचार विमर्श सतत रूप से हुई जिसके फलस्वरूप राजनीति के कई पहलुओं को प्रभावित करते हुये आने वाले समय में इनका प्रभाव अधिक दिखाई दे सकता है।
6. **सरकारी प्रदर्शन :–** कोविड–19 के दौरान प्रत्यक्ष और क्रियात्मकता को लेकर आलोचना और समर्थन दोनों की सामने आ रही थी क्योंकि सरकार ने महत्वपूर्ण कदम जैसे लॉकडाउन की स्थिति निर्मित करना, परीक्षण और दवाईयों का वितरण आदि कदम उठायें जिससे प्रभावित आबादी के विकास और प्रबंधन को लेकर समर्थन और असंतोष दोनों की देखे गये।
7. **राजनीति प्रचार :–** कोविड–19 ने राजनीतिक प्रचार और चुनाव के तौर तरीके में परिवर्तन लाते हुये विभिन्न रैलियां को ऑनलाईन/आभासी के माध्यम से विभिन्न राजनीति दल को चुनावी योजनाओं और प्रचार में नये तरीकें को अपनाने में बढ़ावा देने का कार्य किया।
8. **राजनीति तनाव :–** कोविड–19 के दौरान विभिन्न राजनीति दलों के बीच राजनीति तनाव सुस्पष्ट हुई क्योंकि विपक्षी पार्टियां सरकारों के नियंत्रण और नीतियो को लेकर आक्रोश व्यक्त किया जो कि राजनीतिक तनाव का कारण बना।

परिणाम : –

कोविड–19 पूरे विश्व में महामारी के रूप में अपनी जगह बना चुका था। परिणाम यह हुआ कि कोविड–19 को लेकर पूरे विश्व में हाहाकार मची हुई थी सभी देशों के लोगों के सामने यह प्रश्न था कि इस संकट से कैसे निकला जाये। परिणाम स्वरूप सभी देशों ने इस संकट से निकलने के लिए तुरन्त शोध, अन्वेषण की प्रवृत्ति आरंभ की जिसके कारण सेनेटाइजर, मास्क, पी.पी.ई. किट, टीकारण संभव हो सका। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने संसाधन के लिये विभिन्न देशों से सार्थक वार्ता एवं निकाय की बैठक ऑनलाइन के माध्यम से प्रयास किया जिसकें फलस्वरूप कोरोना रोग के संचरण पर नियंत्रण तथा विभिन्न प्रतिरोधक क्षमता वाले दवाईयों एवं उपकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुये वर्तमान कोरोना की स्थिति पर नियंत्रण प्राप्त हुआ इस प्रकार मानव जीवन, गतिविधियां, स्थितियां संतोष जनक हुई।

निष्कर्ष :–

कोविड–19 वर्ष 2019 में शुरू होने वाली वैश्विक महामारी के रूप में सामने आकर वर्ष 2020 तक भयावक रूप धारण कर चुकी थी। यह चीन के वुहान शहर से प्रारम्भ होकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संचरित हो चुकी थी। सभी राष्ट्रों ने अपने–अपने सार्थक प्रयास एवं तौर तरीकों से इस महामारी पर नियंत्रण करते हुये महामारी की स्थिति से लोगों के जीवन को सामान्य करने का प्रयास अनवरत चलती रही। कोरोना वायरस में राजनीति से जुड़े हुये सभी गणमान्य नागरिक तथा जनप्रतिनिधियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्र के प्रति सहयोग, एकता आदि के भावना को चरितार्थ करते हुये परिस्थितियों को अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जो कि किसी भी राष्ट्र के प्रति देश भावना को व्यक्त करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. Pravat Ka Jena (2020) Online learning during lockdown period for Dovdi-19 in India International Journal of education research 9(5) Pg. 82-92.
2. MHRD notice (2020) Covid-19 stay safe-digital initiatives. Retrieved from httops://www.mohfw.gov.in/pdf/Covid-19pdf
3. Unicef (2020). Education and covid-19 data.unicef org/topic/education and covid-19
4. WHO (2022) WHO coronavirus (Covid-19) dashboard, World Health Organization Covid-19 who.int